तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्… जो…
24|5|24	पत्रावली पेशी में ली गई। अवलोकन किया गया। वाद पत्र 2007 में इस न्यायालय में कायम कर दर्ज दायरा किया गया। पत्रावली में प्रार्थना पत्र पेश हुए। बार बार अवसर दिए गये। कॉस्ट पर अवसर भी दिए गये। किसी का जवाब पेश हुआ तो किसी का नहीं। वादी पक्ष को तलबी पूर्ण के पर्याप्त अवसर दिए गये। अद्यतन तक पत्रावली तलबी स्तर पर लंबित है। राजस्व न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों में शीघ्रतापूर्ण गुणावगुण आधार पर निस्तारण के निर्देश हैं। प्रतीत होता है कि ना तो वादी पक्ष और ना ही प्रतिवादी पक्ष हस्तगत प्रकरण आगे कार्यवाही नहीं चाहते हैं जैसा कि पत्रावली अवलोकन व वाद दायर समयावधि से स्पष्ट है। अतः इस वाद पत्र को तलबी स्तर पर लंबित नहीं रखा जा सकता है। लिहाजा वाद पत्र को अदम पैरवी और अदम हाजरी में खारिज किया जाता है। पत्रावली नंबर से कम कर दाखिल दफ्तर की जाती है।	

Signature N…

Digitally signe…
Date: 2024.05…
Reason: SelfA…

(हस्ताक्षर)

सहायक कलक्टर
एवं उपखण्ड अधिकारी
हनुमान…